



माउण्ट आबू।
'शिवयोग
फाउण्डेशन'
दिल्ली के
संस्थापक अध्यक्ष
अवधूत बाबा
शिवानंद से
आध्यात्मिक चर्चा
करते हुए दादी
जानकी साथ में हैं
युरोप की
निदेशिका
ब्र.कु.जयंति।



हरि नगर, नई दिल्ली। शिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए सांसद महाबल मिश्रा, मेजर आर.के.मट्टू, प्रो.आर.वी.त्रिपाठी, जे.सी.शर्मा एवं ब्र.कु.शुक्ला।



धौलपुर। 'प्लेटिनम जुबली' पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं ए.सी.जे.एम.जमीर हुसैन, ब्र.कु.विमला, ब्र.कु.अंबिका तथा अन्य।



गोटेगांव। सर्व धर्म समभाव पर आयोजित लघु नाटिका को प्रस्तुत करते हुए बच्चे तथा मंचासीन हैं प्रो.जे.एस.युसुफ, आर.के.कुरैशी, हर्षित अरोरा एवं ब्र.कु.भावना।



गोवाहाटी। शिवध्वजारोहण करते हुए कमिश्नर आर.के.गुप्ता, विधायक रॉबिन बोरडोली एवं ब्र.कु.शीला तथा अन्य।



भुज। 'हरिद्वार दर्शन मेला' का उद्घाटन करते हुए सांसद पुनम जाट, मुकेश जावेरी, किरीट सोमपूर्ण, ब्र.कु.सरला, ब्र.कु.चंद्रिका, ब्र.कु.दयमंति।



मलाड, मुंबई। ध्वजारोहण करने के पश्चात् प्रभु-स्मृति में खंडें हैं नवनिर्वाचित प्रतिनिधी विनोद शेलर, सचिव गुप्ता जी, ब्र.कु.कुंती।

द्वादश ज्योतिर्लिंगम् झांकी का आयोजन



नागपुर। द्वादश ज्योतिर्लिंगम् झांकी का उद्घाटन करते सनराइज गैस मिशन के हरगोविंद मुरारका, पर्यटन मंत्री चंद्रपाल चौकसे, अर्जुन आहूजा, ब्र.कु.पुष्पारानी तथा अन्य।

नागपुर। शिव परम कल्याणकारी हैं। महाशिवरात्रि पर उपवास व जागरण करने का अर्थ है परमात्मा के समीपता की अनुभूति करना और जगकर अर्थात् सजग होकर धर्म और परमात्मा के सत्य स्वरूप को जानना है। उक्त उद्गार विदर्भ की ब्र.कु.पुष्पारानी ने महाशिवरात्रि के अवसर द्वादश ज्योतिर्लिंगम् की झांकी का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि परमात्मा हम सभी आत्माओं का पिता है। उसे ही हम भिन्न-भिन्न नाम, रूपों से याद करते आये हैं। आज के इस वर्तमान समय में 'शिवरात्रि' का आध्यात्मिक अर्थ समझना हम सभी के लिए बहुत ही जरूरी है। और परमात्मा का हमारे व्यावहारिक जीवन में क्या रोल है और हमें उनसे क्या प्राप्ति होती है, बहुत ही

रमणीक एवं सरलता से इसे स्पष्ट किया।

इस अवसर पर 'सनराइज मिशन' की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दूरदर्शन व आकाशवाणी के कलाकार मीना चाटर्जी ने अपनी अमूल्य प्रस्तुति दी। वहीं नेत्रहीन बाल गायक मयंक साहू ने अपने हृदयस्पर्शी गीतों के द्वारा सबको अपनी कला से आश्चर्यचकित कर दिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन 51 दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस उद्घाटन कार्यक्रम में चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सचिव अर्जुन आहूजा, दैनिक भास्कर के संपादक मणिकांत सोनी व पर्यटन मंत्री चंद्रपाल चौकसे ने भाग लिया। कार्यक्रम की प्रस्तावना ब्र.कु.मनीषा ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु.रजनी ने किया व आभार प्रदर्शन डॉ.हरगोविंद मुरारका ने किया। शहर के गणमान्य व्यक्ति तथा समाज सेवी उपस्थित थे।

आध्यात्मिकता से बनता है जीवन उत्कृष्ट - गुप्ता



जयपुर। 'प्लेटिनम जुबली' पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए लोकायुक्त जी.एल.गुप्ता, जस्टिस अजय रस्तोगी, ब्र.कु.प्रेम, ब्र.कु.सुषमा।

जयपुर। संस्था द्वारा 75 पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजमंदिर हॉल में 'प्लेटिनम जुबली' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे संबोधित करते हुए राजस्थान के लोकायुक्त जी.एल.गुप्ता ने कहा कि आज सभी को आध्यात्मिकता से जुड़ना चाहिए क्योंकि इसके द्वारा ही जीवन में स्थायी सुख-शांति आ सकती है। राजयोग का निरंतर अभ्यास करने से जीवन में मूल्यों की धारण होती है जिससे जीवन मूल्यनिष्ठ बन जाता है। अध्यात्म के द्वारा ही मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना

की जा सकती है। उन्होंने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि जब से मैं इस संस्था से जुड़ा हूँ तब से मेरे जीवन में सुख, शांति आयी है एवं जीवन में भी बहुत परिवर्तन आया है। जस्टिस अजय रस्तोगी ने कहा कि जीवन में खुश रहने के लिए सदा सकारात्मक सोचें तथा सर्व के प्रति कल्याण की भावना रखें। उन्होंने कहा कि राजयोग का निरंतर अभ्यास करने से निर्णय शक्ति बढ़ती है एवं जीवन सुखमय बनता है। देहरादून, उत्तराखण्ड की निदेशिका ब्र.कु.प्रेम

ने कहा कि समस्याएं दुनिया में नहीं बल्कि मानव मन में है। इसलिए अपनी सोच को बदलना होगा तभी हमारा कर्म और व्यवहार श्रेष्ठ होगा, तभी हम दूसरों की भावनाओं को भी समझ सकेंगे। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ मनोस्थिति का आधार खुशी और विश्वास है। खुशी स्वयं के परिवर्तन से आती है। उन्होंने कहा कि हमें यह सदैव स्मरण रखना चाहिए कि मेरे अलावे संसार में सारे लोग अच्छे हैं। जीवन एक उत्सव है उसे खेल की तरह खेलें तभी हम खुश रह सकते हैं।

जयपुर जोन की संचालिका ब्र.कु.सुषमा ने मंच का कुशल संचालन करते हुए संस्था के 75 वर्ष की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम का आरंभ स्वागत नृत्य के साथ हुआ एवं सभी अतिथियों का स्वागत ब्र.कु.चंद्रकला ने फूलों से एवं तिलक लगाकर किया। यह कार्यक्रम वैशाली नगर, शुभम् गार्डन और महावीर ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।